राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र

स्रोत: डाउन टू अर्थ

पटना में राष्ट्रीय **डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र (NDRC) को अपने उद्घाटन के आठ महीनों बाद भी निष्क्रियता का सामना करना पड़ रहा है, जो गंगा नदी डॉल्फिन के** संरक्षण में महत्त्वपूर्ण चुनौतियों और पहलों को रेखांकित करता है।

- अपनी स्थापना के बावजूद, आवश्यक उपकरणों और कुशल कर्मियों की कमी के कारण यह अभी भी क्रियान्वित नहीं हुआ है।
- **NDRC का** उद्घाटन वर्ष 2024 में किया गया, यह गंगा नदी डॉल्फिन पर शोध और संरक्षण के लिये समर्पित है।
- यह **गंगा नदी** पर केंद्रित है और इसका उद्देश्य डॉल्फिन के व्यवहार, आवास और संरक्षण संबंधी संकट पर अध्ययन को सुविधाजनक बनाना है।
- **गंगा डॉल्फिन संरक्षण हेतु पहलें:**
    - प्रोजेक्ट डॉल्फिन
    - गंगा डॉल्फिन के लिये संरक्षण कार्य योजना: इसे राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण द्वारा तैयार किया गया, जिसमें आवास संरक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मानव-डॉल्फिन संघर्ष के शमन के लिये विशिष्ट कार्यों का विवरण दिया गया था।
        - इस योजना में डॉल्फिन की आबादी और उसके जीवन संबंधी संकट का आकलन करने के लिये सर्वेक्षण करना तथा स्थानीय समुदायों में जागरुकता बढ़ाना शामिल है।
- **संरक्षण स्थिति:**
    - **IUCN: लुप्तप्राय**
    - **भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972: अनुसूची-I**
    - **लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES): परिशिष्ट-I**
    - **प्रवासी प्रजातियों पर कन्वेंशन (CMS): परिशिष्ट-I.**

//

और पढ़ें: [भारत का पहला डॉल्फनि अनुसंधान केंद्र]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-dolphin-research-centre